News सिटी चीफ
वर्ष-15, अंक-74
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार
आनंद वहा नहीं हैं, जहा धन मिल, आनंद तो वहा हैं जहां मन मिले।

बिहार सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM
बिहार, बुधवार, 19 जून 2024

पुराने अंदाज में दिखे नीतीश : सीएम ने फिर पकड़ लिया अशोक चौधरी का गला

मंत्री के सिर को प्रेम कुमार और विजय सिन्हा के सिर से लड़ाया

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना, लंबे समय बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक बार फिर अपने पुराने अंदाज में नजर आए। महागठबंधन में रहते हुए सीएम नीतीश ने जिस तरह से एक बार अपने करीबी अशोक चौधरी की खुलेआम गर्दन पकड़ ली थी, एक बार फिर से मुख्यमंत्री उसी अंदाज में दिखे। सीएम ने एक बार फिर अशोक चौधरी की गर्दन पकड़ ली और पहले उनका सिर मंत्री प्रेम कुमार के सर लड़ाया और उसके बाद डिप्टी सीएम विजय सिन्हा के सिर से उनका सिर लड़ा दिया।

दरअसल, मंगलवार को बिहार विधान मंडल परिसर में डॉ. अनुग्रह नारायण सिंह की जयंती के मौके पर राजकीय समारोह का आयोजन किया गया था। इस राजकीय समारोह में शामिल होने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी कैबिनेट के मंत्रियों के साथ विधान मंडल पहुंचे थे। राजकीय समारोह के दौरान सीएम और अन्य मंत्रियों ने डॉ. अनुग्रह नारायण सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया।

राजकीय समारोह के दौरान मंच पर मौजूद लोगों को तिलक लगाया जा रहा था। इसी दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मजाकिया अंदाज में दिखे और अपने करीबी मंत्री अशोक चौधरी की गर्दन पकड़ ली। मुख्यमंत्री अशोक चौधरी को आगे लेकर आए और उनके सिर को पहले मंत्री प्रेम कुमार के सिर से टकराया और फिर आगे बढ़कर डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा के सिर से अशोक चौधरी का सिर टकरा दिया। यह नजारा देखकर मंच पर मौजूद सभी लोग हंसने लगे। इससे पहले जब मुख्यमंत्री आरजेडी के साथ महागठबंधन में थे, तब उन्होंने भरी सभा में अशोक चौधरी का गर्दन पकड़ लिया था और उनके सिर को पास खड़े एक मीडियाकर्मी के सिर से टकरा दिया था। इसके बाद मुख्यमंत्री ने अपना सिर अशोक चौधरी के कंधे पर रख दिया था और कहा था कि वे उन्हें बहुत प्रेम करते हैं। तब इस बात को लेकर बीजेपी ने खुब सियासत की थी लेकिन आज बीजेपी नीतीश के साथ है।

बिहार में फिर धराशायी हुआ भ्रष्टाचार का पुल- देखते ही देखते नदी में समाया पुल का हिस्सा

करोड़ों की लागत से बकरा नदी पर हो रहा था निर्माण

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

अररिया, बिहार में एक बार फिर एक निर्माणाधीन पुल भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। अररिया में बकरा नदी पर बन रहा पुल देखते ही देखते धराशायी हो गया। पुल का एक हिस्सा नदी में समा गया और उसके तीन पाये पानी में बह गए। हाल ही में भागलपुर में अगुवानी पुल ध्वस्त हो गया था। जिसको लेकर खुब सियासत हुई थे बावजूद इसके सरकार ने उस घटना से सीख नहीं ली और एक बार फिर पुल भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया।

जानकारी के मुताबिक, अररिया के बकरा नदी पर 12 करोड़ की लागत से इस पुल का निर्माण कराया जा रहा था। बकरा नदी और कुर्साकाटा के बीच डोमरा बांध पर पुल का निर्माण कार्य चल रहा था। मंगलवार की दोपहर नदी में पानी का बहाव जैसे ही तेज हुआ, देखते ही देखते पुल का एक हिस्सा नदी में समा गया। पुल के तीन पाया पानी में बह गए। इस घटना के बाद ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई है घटना की जानकारी मिलने के बाद निर्माण कंपनी के अधिकारियों समेत जिले के तमाम बड़े अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे हैं और हालात का जायजा ले रहे हैं। इस घटना को लेकर ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारियों की लापरवाही के कारण करोड़ों की लागत से बन रहा पुल पानी में बह गया है ग्रामीणों का कहना था कि अगर विभागीय अधिकारियों के आंखों पर संवेदक की मेहरबानी का पर्दा नहीं पड़ता तो आज बकरा नदी पर बन रहा पड़रिया पुल नदी के गर्भ में नहीं समाता। पुल के बनने से इलाके के लोगों में बड़ी उम्मीद जगी थी लेकिन विभागीय अधिकारियों की लापरवाही और संवेदक की मनमानी के कारण करोड़ों रुपए पानी में बह गए। इलाके के लोगों ने संवेदक और अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

54 साल के हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी जिला कांग्रेस में हर्ष

आईएनडीआईए गठबंधन के नेताओं ने जताया हर्ष

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

शिवहर, शिवहर कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व कांग्रेस के प्रमुख नेता व सांसद राहुल गांधी आज 54 साल के हो गए हैं। इस बाबत आईएनडीआईए गठबंधन के नेताओं ने हर्ष जताया है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष नूरी बेगम, पूर्व जिला अध्यक्ष मोहम्मद असद, राष्ट्रीय जनता दल के जिला अध्यक्ष उपेंद्र पासवान उर्फ शिवचंद्र पासवान, राजद नेता नवनीत कुमार झा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 54 में जन्मदिवस पर हार्दिक बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी है।

बताया है कि 19 जून 1970 को दिल्ली में जन्मे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी व कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के पुत्र राहुल गांधी का देश- दुनिया में इनकी अलग पहचान है।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के पुत्र,पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के पोता तथा पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के परपोते राहुल गांधी देश के सबसे प्रतिष्ठित राजनीतिक परिवार के वंशज है।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष नूरी बेगम ने बताया है कि राहुल गांधी का नारा है --- मैं नफरत की बाजार में मोहब्बत की दुकान खोल रहा हूं। राहुल गांधी का मानना है कि नफरत, गुस्सा और इंसान हमें बर्बाद कर सकती है ।ध्रुव्रीकरण की राजनीति खतरनाक है।

जबकि राजद नेता नवनीत कुमार झा ने कहा है कि राहुल गांधी वर्ष 2004 से राजनीति में आए और लगातार सांसद है। भारत जोड़ो आंदोलन के माध्यम से 2024 के लोकसभा चुनाव में आईएनडीआईए गठबंधन के डूबती नैया को पार दिलाई है।

ऐसे महान नेता के जन्मदिवस पर ढेर सारी बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई है।

बिहार में पेपर लीक मुद्दे पर प्रशांत किशोर का तेजस्वी पर तंज

देश के बच्चे दिन-रात मेहनत कर पढ़ाई करते हैं और उनका पेपर लीक हो जाता है, और यहां 9वीं फेल नेता का बेटा राज कर रहा है: प्रशांत किशोर

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना, जन सुराज पदयात्रा के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने ह्रश्वश्ञ्ञ क्क्षुश्चद्गह्ल स्द्भड्डद्य पर अपना रोष जाहिर करते हुए कहा कि बीते 2 दिन पहले मुझे 1 लड़के ने बताया कि पेपर लीक हुआ है। जो बच्चे दिन रात अपना हाड़ मांस गला कर पढ़ाई कर रहे हैं, उनका पेपर लीक हो गया, उसकी चिंता किसी नेता को नहीं है। पढ़े-लिखे लड़के मुंबई में, दिल्ली में जाकर मजदूरी कर रहे हैं और देखने वाली बात ये है कि 9वीं फेल नेता का लड़का तेजस्वी यादव बिहार में राज कर रहे हैं। बिहार के सभी लोगों को वो ज्ञान दे रहे हैं कि हमें गद्दी में बैठा दो तो हम सबको नौकरी दे देंगे। मैं बिहार के युवाओं से पूछना चाहता हूं कि आपको नौकरी चाहिए या अधिकार? नौकरी चाहिए या राज? बिहार के लोगों को नौकरी नहीं चाहिए, अब हमें राज चाहिए। अब हमें राज चाहिए नौकरी तो अपने आप हमें मिलेगी। बिहार में राज तेजस्वी यादव जैसे लोग करेंगे और नौकरी के लिए भीख हम इनसे मांगेंगे? अब ऐसा बिहार में नहीं होगा।

नीतीश कुमार के घर पर बड़ी बैठक

चुस्ती-फुर्ती में पहुंचे 8 मंत्री; अलर्ट मोड पर टॉप अधिकारी

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को सीएम हाउस स्थित संकल्प कक्ष में संभावित बाढ़ और सुखाड़ के पूर्व की तैयारियों पर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। इस बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक भी जुड़े थे।मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विभाग व जिलों के डीएम बाढ़ और सुखाड़ को लेकर अलर्ट रहें। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा प्रबंधन विभाग निरंतर पूरी स्थिति की मॉनिटरिंग करते रहें। कहां क्या-क्या करने की जरूरत है इस पर काम हो ताकि लोगों को किसी तरह की दिक्कत नहीं हो।भूजल स्तर पर नजर रखें व पेयजल का इंतजाम रहे। हर घर नल का जल योजना के माध्यम से लोगों को शुद्ध पेयजल मिलता रहे इसे सुनिश्चित किया जाए। जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत जल संरक्षण को लेकर जो कार्य हो रहे हैं उसकी सतत निगरानी होती रहे।

मोदी आज आएंगे बिहार दौरे पर

नालंदा विश्वविद्यालय के नए भवन का करेंगे उद्घाटन

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

821 साल बाद नालंदा विश्वविद्यालय के अच्छे दिन आने वाले हैं. राजगीर में प्राचीन विश्वविद्यालय के खंडहरों के पास स्थित नालंदा विश्वविद्यालय के लिए नए परिसर का निर्माण किया गया है. आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस नई बिल्डिंग का शुभारंभ करेंगे. पीएम के आगमन को लेकर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. पीएम विशेष विमान से गया पहुंचेंगे. उसके बाद सेना के हेलिकॉप्टर से राजगीर स्थित नालंदा विश्वविद्यालय पहुंचेंगे. यहां से कार से नालंदा स्थित प्राचीन विश्वविद्यालय के खंडहर का भ्रमण करेंगे. इस मौके पर प्रधानमंत्री के साथ बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर भी मौजूद रहेंगे.

पटना में अमीनों पर लाठीचार्ज

अपनी मांग को लेकर सम्राट चौधरी के घर के बाहर बैठे थे धरना पर

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना, राजधानी पटना से इस वक्त की बड़ी खबर आ रही है। अपनी मांगों को लेकर भारी संख्या में अमीन डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के आवास का घेराव करने पहुंचे थे। उपमुख्यमंत्री आवास के बाहर धरना पर बैठे अमीनों को पुलिस ने वहां से हटाने की कोशिश की। जब वे वहां से हटने को तैयार नहीं हुए तब पुलिस ने जबरन घसीटकर अमीनों को वहां से हटायाऔर इसके लिए लाठीचार्ज भी की गई। अमीनो को पुलिस ने खदेड़कर वहां से भगा दिया। इस दौरान सम्राट चौधरी के घर के पास अफरा-तफरी मच गयी।

बता दें कि प्रदर्शनकारी अमीन के पद पर 4 साल पहले बहाल हुए थे। इन्हें सरकार ने संविदा पर बहाल किया था। लेकिन अब इन अमीनों को सरकार ने पदमुक्त कर दिया है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने विगत 13 जून को सभी जिले के डीएम को पत्र जारी कर कहा कि इन अमीनों से अब सेवा नहीं ली जाय। नीतीश सरकार के इस फैसले के खिलाफ अमीन लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं और सरकार से इस आदेश को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के घर के बाहर सभी धरना पर बैठ गये और विरोध प्रदर्शन करने लगे।

इससे पहले भू-राजस्व एवं निबंधन कार्यालय के बाहर भी इन्होंने प्रदर्शन किया। फिर पटना की सड़कों पर उतरकर नग-धड़ंग प्रदर्शन किया। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के आवास का घेराव भी किया गया और धरना दिया गया। पुलिस ने

अमीनों को यहां से जाने को कहा लेकिन वे धरना से उठने को तैयार नहीं थे। तब पुलिस बल ने घसीटकर अमीनो को वहां से भगाना शुरू किया। इस दौरान सभी को वहां से खदेड़ दिया गया और लाठीचार्ज भी की गई। पुलिस की लाठीचार्ज से वहां अफरा-तफरी मच गयी। प्रदर्शनकारियों में महिला कर्मी भी शामिल थी।

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने वर्ष 2019 में कुल 6875 पदों पर बहाली के लिए विज्ञापन निकाला था। वर्ष 2021 में अमीनों की बहाली हुई थी। 4 साल काम करने के बाद अब सरकार ने उनकी सेवा समाप्त करने का फैसला लिया है। सरकार के इसी फैसले के खिलाफ अमीन लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और सरकार से आदेश को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। सरकार के इस फैसले से अमीन काफी परेशान हैं। उन्हें यह चिंता सताने लगी है कि अब उनके बाल-बच्चों की परवरिश कैसे होगी।